उत्तर का विशाल मैदान

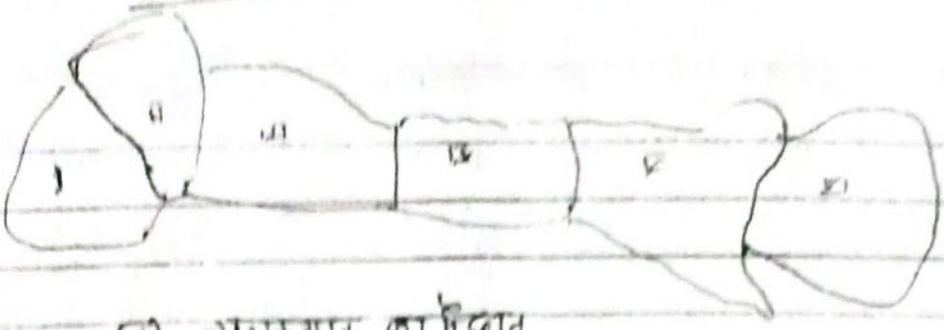

(i) राजस्थान का मैदान
(ii) पंजाब हरियाणा
(iii) ऊपरी गंगा का मैदान
(iv) मध्य " "
(v) निम्न " "
(vi) ब्रह्मपुत्र का मैदान

→ उत्तर की विशाल मैदान की अवस्थिति – हिमालय और प्रायद्वीप पठार के बीच

→ इस मैदान का निर्माण हुआ है – सिन्धु, गंगा और ब्रह्मपुत्र प्रणाली के नदियों के द्वारा 'जलोढ़ के निक्षेपण' से

→ इस मैदानी भाग में जलोढ़ निक्षेप की अधिकतम मोटाई – 2000 मी० तक (पश्चिमी चम्पारण)

→ उत्तरी विशाल मैदान में मिट्टी सर्वत्र एक समान नहीं मिलती। इस मैदान में निम्नलिखित विशेष जलोढ़/मिट्टी/रचनाएँ मिलती हैं –

(i) भाबर :→ नदियाँ हिमालय से उतरने के दौरान अपने पर्वतपदीय प्रदेश में कंकड़ पत्थर आदि निक्षेपण कर देती है। कंकड़, पत्थर से युक्त यह जलोढ़ भाबर कहलाता है।

→ भाबर क्षेत्र में नदी कंकड़ पत्थर के नीचे से बहती है अतः भूमिगत होती है।

→ भाबर क्षेत्र की चौड़ाई – 8 – 10 K.m.

→ भारत में सर्वाधिक भाबर क्षेत्र – उत्तरांचल

(ii) तराई → यह भाबर क्षेत्र और मुख्य मैदानी भाग के बीच का क्षेत्र है जहाँ नदियाँ पुनः धरातल पर आ जाती है।

- तराई क्षेत्र की चौड़ाई — 15 - 30 K.M.
- यह तराई क्षेत्र शिवालिक श्रेणी के आस-पास इसके समानान्तर चलती है।
- भाबर क्षेत्र और तराई क्षेत्र की विशेष उपज — तारागारी चावल (अपवाद - अलापुझा जिले का क्षेत्र)

(iii) **बांगर :-** नदियों के द्वारा निक्षेपित पुरानी जलोढ़ मिट्टी बांगर कहलाती है।
- भारत में सर्वाधिक बांगर क्षेत्र — उत्तर प्रदेश
- बांगर क्षेत्र की उपज — गेहूँ, चावल, गन्ना

(iv) **खादर :-** नवीन जलोढ़ मिट्टी खादर कहलाती है। यह उन क्षेत्रों में पायी जाती है जहाँ प्रतिवर्ष बाढ़ आती है।
- भारत में सर्वाधिक खादर का क्षेत्र — उत्तरी बिहार
- उपज के दृष्टिकोण से खादर जलोढ़ सर्वाधिक उर्वर होती है यहाँ की मुख्य उपज — चावल, गन्ना, मक्का, गेहूँ, जूट

- इस क्षेत्र की नवीनतम फसल किशनगंज में — चाय

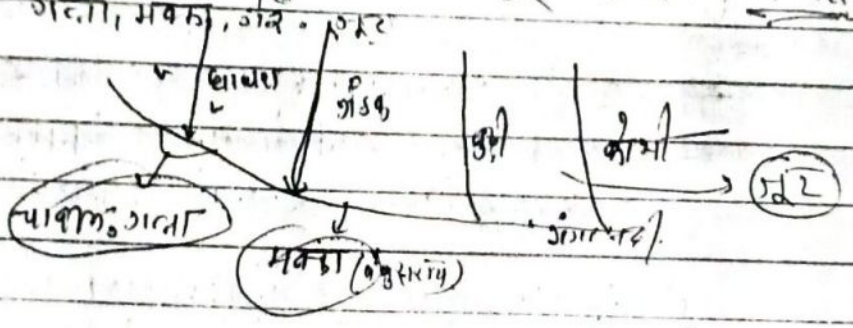

(v) **रेह / कल्लर →** मैदानी भागों में नहर सिंचित क्षेत्रों में अति सिंचाई के कारण जल जमाव होता है फलतः मिट्टी का लवण जल में घुलकर ऊपर आ जाता है।

→ सिंचाई के उपरांत जल U.F के कारण नीचे चला जाता है किन्तु लवण ऊपरी में रह जाता है। लवण युक्त यही भाग उसर मिट्टी रेह/कल्लर कहलाती है

⇒ सर्वाधिक रेह/कल्लर — हरियाणा ✓
⇒ बिहार में सर्वाधिक रेह — शोन नदी के द्वारा निर्मित क्षेत्र
⇒ रेह या कल्लर मिट्टी की समस्या के समाधान के लिए प्रमुख तकनीक — कर्नाल प्रौद्योगिकी ✓

(VI)* भूड़ (Bhur) :- बाढ़ वाले मैदानी भागों में बाढ़ का जल किसी-2 स्थान पर महीन बालू कण का निक्षेपण कर देते हैं यही बालू का ढेर भूड़ कहलाता है।

⇒ भूड़ से मिट्टी की उर्वरता घटती है जैसे - कोसी नदी के क्षेत्र में बाढ़ का जल निकलने के बाद बनी भूड़

⇒ भारत का विशाल उत्तरी मैदान पश्चिम से पूर्व की ओर एक क्रम बनाता है — राजस्थान → पंजाब-हरियाणा - गंगा - ब्रह्मपुत्र का मैदान।

(A) राजस्थान का मैदान :⇒ इस मैदानी भाग को अरावली पर्वत दो भागों में बाँटता है।

(A) उत्तर-पश्चिम का मैदान :⇒ यही कहलाता है थार का मरुस्थल।

L 640 Km
B 360 Km

→ यह राजस्थान का उत्तरपश्चिमी रेतीला भाग है जिसकी लम्बाई -640 Km, चौड़ाई - 360 Km

थार का मरुस्थल -
क्षे० - 2 L·Km² (भारत - 1.75)
L = 640 Km
B = 360 Km
A: 385 Km

⇒ थार की मरुस्थल का पूरा क्षेत्रफल — 2 लाख वर्ग Km
& इसमें 1.75 लाख वर्ग Km भारत में शेष का विस्तार पाकिस्तान में
⇒ भारतीय थार का ⅔ भाग सिर्फ राजस्थान में है